सेना का दूसरा रूप -- पैरामिलीटरी

- **पंकज गर्ग**
वैज्ञानिक "ब"

यदि सेना में प्रवेश का अवसर न मिले तो इसका विकल्प है, "सेन्ट्रल आर्मड फोर्सेज" अर्थात 'पैरामिलीटरी'. अच्छा वेतन और सम्मान, देश को कुछ कर दिखाने की इच्छा शक्ति, आज के युवा एंव युवतियों को रोज़गार के नये अवसर प्रदान करती है.

कार्य क्षेत्र - पैरामिलटरी देश की सीमा, आन्तरिक सुरक्षा दंगे,बन्द और प्राकृतिक प्रकोप के दौरान बचाव कार्य में मदद करती है. यह केन्द्र सरकार से संबंधित होती है. इसका प्रशिक्षण संरचना व पदानुक्रम अलग हो सकता है. परन्तु बुनियादी तरीके और अनुशासन लगभग समान होता है, जो रक्षा सेवा में होता है. इसमें सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF) इन्डो तिब्बत बॉर्डर पुलिस (ITBP) सेन्ट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (CISF) आदि.

बी.एस.एफ.

1965 में स्थापित इस संगठन का कार्यक्षेत्र सीमावर्ती इलाकों में रह रहे लोगों की बाहरी आक्रमणों के दौरान सुरक्षा करना है. यह तीन शाखाओं में बँटा होता है. जनरल डयूटी ब्रांच, टैक्नीकल ब्राँच और मेडीकल ब्राँच. बी०एस०एफ०में चयनित उम्मदीवार अपना कैरियर असिस्टेंट कमाण्डेंट से शुरू करते है 20 वर्ष की सेवा के बाद डी.आई.जी. और आई.जी. पदों पर प्रोन्नत हो जाते हैं. इस बल के लोगों को भी नेशनल सिक्योरिटी गार्ड और स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप में काम करने का मौका दिया जाता है वी.आई.पी. सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण ड्यूटी के लिये उन्हें विशेष भत्ते दिये जाते हैं.

सी.आई.एस.एफ.

यह बल देश की औद्योगिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करता है. इस बल का प्रयोग केन्द्रीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों, देश के हवाई अड्डों व अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों के लिये आन्तरिक सुरक्षा प्रदान करता है. इसमें भी डेपुटी इंस्पेक्टर, जनरल, कमांडेट्स, असिस्टैंट कमान्डेंट्स इस्पेक्टर, सब इंस्पैक्टर और सिक्योरिटी गार्ड इसके बाद के पद हैं.

सी.आर.पी.एफ.

इसकी सुरक्षा सेवाओं की तरह ही यह देश में किसी भी भंयकर त्रासदी के समय सुरक्षा प्रदान करने वाला समर्पित युवाओं का बल है. इसकी भूमिका आतंरिक सुरक्षा और कानून व व्यवस्था बहाल करने में काफी महत्वपूर्ण होती है. रेपिड एक्शन फोर्स इसकी विशेष ब्रांच है. जिसका उपयोग आतंकवाद दंगे, के विरोध के लिये किया जाता है. इसमें दो महिला शाखांए भी होती है. इसमें पद डायरेक्टर जनरल, इंस्पैक्टर जनरल, कमांडेण्ट असिस्टैंट कम्पनी कमांडर, सब इंस्पैक्टर आदि विभिन्न पद होते हैं.इसमें अभ्यास के दौरान माउंटेनियरिंग, संचार और प्रबन्धन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर ट्रेनिंग भी दी जाती है.

आई.टी.बी.पी.

इस बल का काम भारत व चीन की सीमा के हिमालय के क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करना है. इस बल को इन क्षेत्रों में घुसपैठ और तस्करों को रोकना का मुख्य दायित्व है. इसमें विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाता है. जिससे उनका उपयोग आन्तरिक सुरक्षा में भी किया जा सकता है.यह सी.आर.पी.एफ. व बी.एस.एफ.से छोटा बल है. इसमें भी आई.जी., डी.आई.जी., कमाण्डेंट, पद क्रमानुसार होते हैं.

आज हमारे देश के लाखों नौजवान व जाँबाज़ पैरामिलीटरी फोर्स के माध्यम से देश की सेवा कर रहे हैं. देश के लिये कुछ करने का जज्बा है लेकिन भारतीय सेना में नहीं जा सके तो पैरामिलीटरी सर्विसेज के माध्यम से अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से भारत की पावन तपों भूमि की रक्षा करने में जुटे हैं.

* * * * *